हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 189 देहरादून, शुक्रवार, 19 जनवरी, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

195 मृतक आश्रितों के लिए उत्तराखंड परिवहन निगम का तोहफा 3

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में पीएम से की शिष्टाचार भेंट

मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन के लिए 01 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान करने का किया अनुरोध

- प्रधानमंत्री की वेडिंग उत्तराखण्ड डेस्टिनेशन की अपील के बाद उत्तराखण्ड में अधिक संख्या में हो रही है शादियों की बुकिंग
- उत्तराखण्ड में वेडिंग डेस्टिनेशन विकसित किये जाने के लिए 150 करोड़ रूपये के निवेश हुये प्राप्त
- मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उत्तराखण्ड की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार की गई सामग्री की भेंट
- प्रधानमंत्री ने राज्य की महिलाओं के प्रशिश्रम की सराहना की तथा किया आभार व्यक्त
- राज्य में विभिन्न योजनाओं के तहत किये जा रहे कार्यों की प्रगति की दी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली , 19 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बागेश्वर में बने ताम्र शिल्प पर आधारित उत्पाद तथा उत्तराखण्ड की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार की गई सामग्री भेंट की। प्रधानमंत्री ने राज्य की महिलाओं के प्रशिश्रम की सराहना की तथा उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का उत्तराखण्ड को वेडिंग डेस्टिनेशन बताये जाने के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री की अपील के बाद उत्तराखण्ड में सादियों के लिये देश विदेश से बडी संख्या में लोगों द्वारा बुकिंग की जा रही है, इससे राज्य के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उत्तराखण्ड में वेडिंग डेस्टिनेशन विकसित किये जाने के लिए 150 करोड़ रूपये के निवेश भी प्राप्त हुये हैं। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से कर्णप्रयाग-ग्वालदम मार्ग में सीमा सड़क संगठन द्वारा किये जा रहे कार्यों में तेजी लाने, पर्यटन और सैन्य आवगमन तथा आम जनमानस के लिए अत्यन्त उपयोगी 189 कि0 काठगोदाम-भीमताल, ध्यानाचुली-मोरनोला-खेतीखान-लोहाघाट-पंचेश्चर मोटर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित करने एवं मानसखण्ड मन्दिर माला परियोजना के अन्तर्गत मानसखण्ड मन्दिरों को जोड़ने वाले 20 मार्गों हेतु 01 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों एवं पर्यटकों को मानसखण्ड मन्दिर माला के दर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए गढ़वाल तथा कुमायूं को जोड़ने वाले मार्गों का उच्चीकरण किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन के अन्तर्गत चिन्हित 48 पौराणिक मन्दिरों में से 16 मन्दिरों में अवस्थापना विकास के कार्य शुरू हो चुके हैं। जागेश्वर धाम हेतु 150 करोड़ रूपये का मास्टर प्लान बनाया गया है। मानसखण्ड मन्दिरों के प्रचार-प्रसार हेतु 'भारत गौरव मानसखण्ड एक्सप्रेस'' ट्रेन देश के विभिन्न स्थानों से उत्तराखण्ड के काठगोदाम, टनकपुर रेलवे स्टेशनों के लिये संचालित किये जाने का अनुरोध किया। मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत कुमाऊँ क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध पूर्णागिरी धाम को विकसित करने के लिये शारदा कॉरिडोर के विकास की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। मानसखण्ड माला मिशन के अन्तर्गत कुमाऊँ क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध कैंची धाम के विकास हेतु मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। पिथौरागढ़ स्थित सीमान्त गांव गुंजी (आदि कैलाश क्षेत्र) को अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किये जाने के लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। गुंजी को''शिव नगरी''थीम के आधार पर विकसित किये जाने हेतु छः घटक कला संस्कृति, कौशल, ज्ञान, ध्यान, विज्ञान तथा विश्राम, में विभाजित किया गया है। प्रथम चरण में स्वदेश दर्शन योजना-2.0 के अन्तर्गत गुंजी में साधना केन्द्र, ईको ट्रेल, संसाधन केन्द्र, हेरिटेज ग्राम विकसित करना और साहसिक गतिविधियां प्रस्तावित हैं। राज्य सरकार द्वारा गुंजी तथा आदि कैलाश एवं ओम पर्वत के लिये हेली सेवायें उपलब्ध कराये जाने हेतु सर्वे कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी-विश्वनाथ की तर्ज पर हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर विकसित करने का कार्य नव गठित उत्तराखण्ड निवेश एवं आधारिक संरचना बोर्ड (यू.आई.आई.डी.बी) द्वारा किया जायेगा। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु पी0पी0पी0 मोड में सात हेलीपोर्ट तैयार करने का प्रस्ताव है जिसमें से दो हेलीपोर्ट हेतु भूमि चिन्हित कर ली गयी है। प्रारम्भिक चरण में हरिद्वार एवं देहरादून में हेलीपोर्ट तैयार किये जाने प्रस्तावित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, ब्राडिंग के लिये अम्ब्रेला ब्रान्ड के रूप में हाउस ऑफ हिमालयाज का प्रधानमंत्री द्वारा लोकापर्ण किया गया। लोकापर्ण के बाद राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय निवेशकों द्वारा हाउस ऑफ हिमालयाज से जुडने के लिए उत्साह दिखाया गया है। प्रथम चरण में मिलेटस, राजमा, पर्वतीय दालें, लाल चावल, हल्दी, पहाड़ी नमक, शहद, एरोमेटिक एण्ड हर्बल टी, नैनीताल मोमबत्ती, ऐपण, पिछौड़ा को शार्टलिस्ट किया गया है। राज्य के सभी जी0आई0 उत्पादों को हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रान्ड में विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

राज्य को केन्द्रीय पूल के कोयला आधारित संयंत्रों से 400 मेगावाट अतिरिक्त विद्युत आवंटित किये जाने का भी किया अनुरोध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के त्वरित विकास के रोडमैप में आगामी पाँच वर्षों में राज्य की जी०एस०डी०पी० को दोगुना किया जाना लक्ष्यान्वित किया गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त किये जाने हेतु राज्य के आधारभूत ढाँचे में व्यापक वृद्धि प्रस्तावित की गयी है जिससे राज्य में औद्योगिकीकरण, सेवा क्षेत्र जिसमें पर्यटन से जुड़ा आधारभूत ढाँचा मुख्य है, कृषि एवं वानिकी तथा शिक्षा आदि क्षेत्रों में मुख्य रूप से निवेश आकर्षित किया जाना प्रस्तावित है, जिस कारण निकट भविष्य में विद्युत की मांग में तेज वृद्धि आशान्वित है। राज्य में निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण में पर्यावरणीय कारणों से हो रहे विलम्ब के फलस्वरूप, राज्य में विद्युत की मांग के सापेक्ष विद्युत/ उपलब्धता में अन्तर लगातार बढ़ता जा रहा है जिसका अन्तर उपरोक्त कारणों से भविष्य में और अधिक हो जायेंगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से राज्य को केन्द्रीय पूल के कोयला आधारित संयंत्रों से 400 मेगावाट अतिरिक्त विद्युत स्थायी रूप से आवंटित किये जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिथौरागढ़ क्षेत्र की धौलीगंगा तथा गौरी गंगा क्षेत्र में बहने वाली नदियां राज्य के अन्तर्गत बहने वाली गंगा एवं उसकी सहायक नदियों से इतर हैं। उक्त क्षेत्र की जल विद्युत परियोजनाओं बौकांग बेलिंग (330 मेगावाट) एवं सेलाउर्थिग (202 मेगावाट) की स्वीकृतियां प्रदान किये जाने का भी मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का उत्तराखण्ड को वेडिंग डेस्टिनेशन बताये जाने के प्रति किया आभार व्यक्त

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को यह भी अवगत कराया कि उत्तराखण्ड राज्य में जून 2013 में आयी आपदा के पश्चात मा० सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.08.2013 को पारित ओदश एवं जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा दिये गये निर्णय के कारण गंगा एवं उसकी सहायक नदियों में प्रस्तावित 44 जल विद्युत परियोजनाओं कुल क्षमता लगभग 4800 मे0वा0 का विकास एवं निर्माण स्थगित है। राज्य की विद्युत ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उत्तराखण्ड को खुले बाजार से प्रतिवर्ष लगभग 1000 करोड़ की ऊर्जा क्रय करनी पडती है, जो कि पर्वतीय राज्य के वित्तीय संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ डालता है। अतः राज्य की बढती जरूरतों को पूरा करने के लिये तत्काल चरणबद्ध रूप से अन्य नदी घाटियों में प्रस्तावित परियोजनाओं के निर्माण हेतु सकारात्मक कार्यवाही करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से उत्तराखण्ड राज्य में गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के अतिरिक्त अन्य नदी घाटियों पर स्थित परियोजनाओं के त्वरित विकास एवं निर्माण के अनुमति प्रदान किये जाने हेतु जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार को यथोचित निर्देश देने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि राज्य में हो रहे शहरीकरण के दृष्टिगत ''चार नई टाउनशिप'' विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें दो पर्वतीय क्षेत्रों में और दो मैदानी क्षेत्रों में बनाने की योजना है। राज्य की आयुष नीति-2023 के अन्तर्गत विभिन्न सेक्टरों के निवेश पर टॉप-अप के रूप में 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत की सब्सिडी अतिरिक्त रूप से प्रदान की जा रही है। राज्य पर्यटन नीति, 2023 के माध्यम से वेलनेस रिसोर्ट/आयुर्वेद/योग/नेचुरोपैथी रिसोर्ट को 50 प्रतिशत तक की पूंजीगत सहायता तथा श्रेणी बी और श्रेणी सी क्षेत्रों में स्थापित होने वाले वेलनेस केन्द्र/आयुर्वेद/योग/नेचुरोपैथी रिसोर्ट को 5 प्रतिशत की अतिरिक्त पूंजीगत सहायता प्रदान की जा रही है। ''उत्तराखण्ड स्टेट मिलेट मिशन'' वर्ष 2023-24 से वर्ष 2027-28 (05 वर्षों) के लिए लागू किया गया है। ''राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना'' के तहत प्रदेश में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से संयुक्त सहकारी खेती, साईलेज, पोल्ट्री वैली, गोट वैली, दुग्ध उत्पादन, ट्राउट फार्मिंग, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी उत्पादन इत्यादि पर सफलतापूर्वक कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के निर्देशन में उत्तराखण्ड राज्य ईज ऑफ डुईंग बिजनेस, निवेश प्रोत्साहन तथा स्टार्ट अप क्षेत्र में निरंतर विकास कर रहा है और भारत सरकार द्वारा निर्गत की जाने वाली रैंकिंग में लगातार उत्तम श्रेणी प्राप्त कर रहा है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत एक पंचकोणीय औद्योगिक/व्यवसायिक गलियारे की स्थापना की जा रही है। जिसका उद्देश्य भारत वर्ष में औद्योगिक विनिर्माण एवं सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) की क्षमता को बढ़ाते हुए देश में त्वरित व समावेशी विकास और लाभकारी रोजगार प्राप्त करना है। जिसके कम मे भारत सरकार व राज्य सरकार उत्तराखण्ड के संयुक्त प्रयासों से 1002 एकड़ भूमि पर एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर खुरपिया आई.एम.सी. खुरपिया का निर्माण 50-50 प्रतिशत की हिस्सेदारी के अन्तर्गत किया जा रहा है। उक्त परियोजना लगभग रू0 1100 करोड़ की लागत से की जा रही है, जिसमें राज्य द्वारा उपलब्ध करायी गयी भूमि का मूल्य रू0 410 करोड़ है। उत्तराखण्ड राज्य में उक्त परियोजना के माध्यम से लगभग 15000 करोड़ का निवेश आने की प्रबल समभावनाएँ है और साथ ही लगभग 50000 युवाओं को प्रत्यक्ष रुप से रोजगार प्राप्त होने की भी सम्भावनाएँ है। उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित किये जा रहे आई.एम.सी. खुरपिया जिला उधमसिंह नगर की परियोजना का अनुमोदन देने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को यह भी अवगत कराया कि इन्वेस्टर समिट में हुए करारों को ग्राउंड करने के लिए राज्य की ओर से विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। एम०ओ०यू० की मॉनिटरिंग के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया गया है। राज्य में तीन फूड पार्क के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। देहरादून में आईटी पार्क 2 स्थापित किया जा रहा है। एयरपोर्ट के नजदीक आई.टी. टावर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। उद्योगों को भूमि उपलब्ध कराने के लिए सिडकुल द्वारा काशीपुर, सितारगंज, रुद्रपुर, हरिद्वार तथा देहरादून में नए औद्योगिक आस्थान विकसित किये जा रहे हैं। देहरादून में छरबा को एजुकेशन सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है जबकि ऊधमसिंह नगर जनपद में नॉलेज पार्क विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता से जुड़े सदस्यों की आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में उनके परिवारजनों को सामाजिक सुरक्षा जैसे सेवाओं का लाभ पहुँचाने के दृष्टिगत "सहकारी किसान समृद्धि कार्ड योजना' प्रारम्भ की जाएगी, जिसके अन्तर्गत वितरित होने वाले कार्ड का नाम "नमो सहकारी कवच कार्ड" किया जाना प्रस्तावित है।

कॉन्फिडेंस और पर्सनैलिटी दर्शाता है बॉडी लैंग्वेज, ऐसे करें सुधार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 जनवरी , आपने से सुना ही होगा कि एक्शन हमारे लफ्जों से ज्यादा बोलते हैं. ऐसे इसलिए क्योंकि आपके बोलने के तरीके के साथ ही चलने फिरने और उठने बैठने का तरीका आपके बारे में बहुत कुछ बताता है. बॉडी लैंग्वेज से आपके कॉन्फिडेंस और प्रोफेशनलिज्म के बारे पता चलता है. ऐसे में हमें लोगों के बीच अपनी बेहतरीन पर्सनालिटी बनाने के लिए न सिर्फ बात करने के तरीके बल्कि इसके साथ ही अपनी बॉडी लैंग्वेज पर भी ध्यान देना चाहिए.हम सामने वाले से बात करते समय उसकी बात पर कितना ध्यान दे रहें है और क्या सोच रहे हैं इन सबका अंदाजा हमारे बॉडी लैंग्वेज से लगाया जा सकता है. इसलिए प्रोफेसनल टॉक और बिजनेस मीटिंग में आपको इस तरह की बॉडी लैंग्वेज अपनानी चाहिए. जिनसे सामने वाले पर आपका इंप्रेशन अच्छा पड़े.

रिलेक्स रहें

किसी भी बिजनेस मीटिंग से पहले नर्वस महसूस होना बहुत समान्य है. लेकिन ऐसे में रिलेक्स रहें, क्योंकि आपके चेहरे पर एक्सप्रेशन से और बॉडी लैंग्वेज से दिमाग में चल रहे स्ट्रेस और डर का पता चल सकता है.

शरीर को बांधकर न बैठें

हम किसी से पहली बार मिलने पर उसकी लुक और बॉडी लैंग्वेज को देखकर उस इंसान के बारे में एक छवि बना लेते हैं. इसलिए हमेशा तन कर बैठना चाहिए. जिसमें हमारी पीठ सीधी और पीछे की तरफ होने चाहिए. ये हमारे हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होता है. इसी के साथ ही ध्यान रखें कि बिजनेस मीटिंग में कभी भी अपना बांहों और पैरो को को क्रॉस करके न बैठे.

आई कॉन्टेक्ट

किसी से बात करते समय उससे आई कांटेक्ट बनाना बेहद जरूरी होता है. इसी के साथ ही आपके चेहरे के एक्सप्रेशन बहुत मायने रखते हैं. बताते हैं कि आप किसी की बात को अच्छे से सुन रहे हैं या नहीं. हर बात और उससे जुड़े एक्सप्रेशन के मुताबिक हमारे चेहरे के एक्सप्रेशन अलग होते हैं. ऐसे में बिजनेस मीटिंग में प्रेजेंटेशन देते समय अपने चेहरे के एक्सप्रेशन सही रखें, चेहरे पर मुस्कान रखें. इसी के साथ ही अपने हाथों की मूवमेंट पर भी ध्यान दें.

बोलने का लहजा

आपके बात करने का लहजा बहुत मायने रखता है. आप अपनी बात को सामने वाले के सामने किस तरह से प्रेजेंट करते हैं. बिजनेस मीटिंग में आपको बिना हिचकिचाए और कॉन्फिडेंस के साथ अपनी बात को कहना चाहिए. साथ ही अपने शब्दों का चयन और बोलने का लहजा सही रखना चाहिए.

अब यहाँ शौहर ने व्हाट्सएप पर दिया तलाक !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 जनवरी , देश में सख्त कानून लागू होने के बावजूद मुस्लिम महिलाएं ट्रिपल तलाक का दंश झेलने के लिए मजबूर हैं. ताजा मामला उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले का है. यहां पर शादी के 7वें पति ने वॉट्सऐप के जरिये पत्नी को तीन तलाक दे दिया. यह मामला उतरांव थाना अंतर्गत आने वाले हसनपुर गांव का है. पिता इम्तियाज अहमद का आरोप है कि बीते 7 जनवरी को उनकी बेटी सानिया की शादी टेका नाका 628 आसी नगर नागपुर महाराष्ट्र के रहने वाले सुऐब साथ हुई थी. शादी के कुछ दिन बाद सुऐब के परिजनों द्वारा कार की मांग की गई. विदाई के बाद 14 जनवरी को जब सानिया अपने पति शोएब से फोन पर बात कर रही थी तभी बातचीत के दौरान ही पति सुऐब ने फोन पर तलाक देने की बात कही, जिससे वह काफी घबरा गई.

व्हाट्सएप पर दिया तलाक

सुऐब द्वारा सानिया के मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप के जरिए मैसेज भेज कर तलाक दे दिया गया. जब सानिया के परिजनों ने शोएब के परिजनों से इस मामले में बात की तो परिजनों ने कहा कि जो मेरे बेटे ने कह दिया वही होगा. पीड़ित सानिया के पिता ने पति समेत ससुराल वालों के खिलाफ उतराव थाने में लिखित तहरीर दी है, जिसके बाद थाना अध्यक्ष उतराव द्वारा कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया.

पहले दिन से ही बना रहे थे दबाव

जहां प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार द्वारा दहेज उत्पीड़न के मामले में भी काफी सख्ती बरती जा रही है, लेकिन इन दहेज लोभियों को इससे जरा भी फर्क नहीं पड़ रहा है. पीड़ित और पीड़ित का परिवार प्रदेश और केंद्र सरकार से न्याय की गुहार लगा रहा है. पीड़िता द्वारा यह भी बताया गया कि शादी के दिन से ही दहेज में कार लाने को लेकर तरह-तरह के ताने कसे जा रहे थे और उसके ऊपर दबाव बनाया जा रहा था कि वह अपने मायके वालों से कार की मांग करे.

प्लॉट या जमीन खरीदते समय इन खास बात का रखें ध्यान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 जनवरी , जब भी बात इन्वेस्टमेंट की आती हो तो लोग प्लॉट और जमीन खरीदने लोग सबसे ज्यादा उचित समझते हैं। वहीं, प्रॉपर्टी की खरीद और बिक्री दोनों ही हमेशा मोटी रकम में होती है। लिहाजा आप सबको प्रॉपर्टी को खरीदते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना क्योंकि इसमें आप अपनी मोटी कमाई इन्वेस्ट करने जा रहे होते हैं। ऐसे में छोटी सी भूल भी हो जाए तो इसका नुकसान आपको उठाना पड़ सकता है। कई बार तो ऐसा भी होता है कि जमीन खरीदने के बाद पता चलता है कि ये जमीन किसी और को भी बेची गई है। ऐसे भी कई मामले सामने आए हैं जहां जमीन तो ले ली है पर इसमें पहले से ही लोन है।

ऐसे में यदि आप भी प्रॉपर्टी खरीदने जा रहे हों तो इन बातों को जरूर दे ध्यान

जमीन खरीदने जा रहे हों तो उससे पहले जांच पड़ताल अच्छे से कर लें। जमीन की प्रकृति के बारे में पहले से पता कर लें। इसके बाद तहसील से खतौनी निकलवा कर उसकी जांच पड़ताल कर लें। इसके साथ ही रजिस्ट्रार ऑफिस से जमीन का 12 साल का रिकॉर्ड निकलवा लें। एक मामूली फीस जमा करके आप पता लगा सकते हैं कि कहीं ये जमीन किसी और ने तो नहीं खरीदी। इन बातों को ध्यान में रखेंगे तो धोका धड़ी से बचे रहेंगे।

क्यों जरूरी है दाखिल खारिज

दरअसल, प्रॉपर्टी लेकर कानून का ये कहना है कि यदि आप कोई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो तो उसकी एवज में स्टांप ड्यूटी की रकम रजिस्ट्री करवा लें। रजिस्ट्री करवा के उस प्रॉपर्टी पर दाखिल खारिज करवाना भी बेहद जरूरी है। दाखिल खारिज होने से ये पता चल जाता है कि आपने ही जमीन या घर खरीदा है। उससे आपको कोई आपत्ति नहीं है और आपका प्रॉपर्टी का मालिकाना हक आपके पास है।

इसीलिए कहते हैं पढ़ाई जरूरी... ATM मशीन समझकर पासबुक प्रिंटर चोरी कर ले गए चोर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 जनवरी : राजस्थान के सीकर जिले में एक अजब-गजब मामला सामने आया है. आपने अक्सर सोशल मीडिया पर एटीएम मशीन चोरी के मीम्स या जोक्स जरूर पढ़ें होंगे, लेकिन यह घटना सीकर जिले में सच साबित हुई है. यहां एक चोर एटीएम मशीन की जगह पासबुक प्रिंटिंग मशीन चोरी कर ले गया. चोरों को समझ ही नहीं आया कि यह पासबुक मशीन है या ATM.सीकर के उद्योग नगर इलाके में स्टेट ऑफ इंडिया का एटीएम लूटने आए चोरों ने एटीएम की जगह पासबुक की प्रिंटिंग मशीन चोरी कर ली.

हालांकि घटना के कुछ देर बाद ही गश्त कर रही पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया. पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी हुई है.उद्योग नगर थाने के सब इंस्पेक्टर नेकीराम ने बताया कि बारां जिले के रामकल्याण गांव के निवासी पिंटू मीणा एटीएम चोरी करने के लिए आया था, एटीएम के पास ही पासबुक एंट्री की मशीन भी थी जिसको देखकर आरोपी के समझ में नहीं आया कि एटीएम मशीन कौन सी है, उसने कुछ समय तक एटीएम की मशीन के साथ छेड़खानी की और उसके बटनों को तोड़ने की कोशिश की लेकिन जब एटीएम की मशीन पर आरोपी का जोर नहीं चला तो उसने पासबुक चेक करने की मशीन के साथ भी छेड़छाड़ की.

इस दौरान आरोपी को लगा कि इसमें पैसे हो सकते हैं तो वह पासबुक मशीन को उठाकर अपने साथ ले जाना लगा. इस दौरान ही गस्त कर रहित पुलिस ने नवलगढ़ पुलिया के पास पासबुक मशीन ले जाते चोर को देखा तो उसे पकड़ लिया और आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस ने बताया कि जिस एसबीआई के एटीएम बूथ पर चोरी करने के लिए आरोपी गया था उसे एटीएम में लगभग 12 लाख रुपए थे. पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से बारां के हरनावदा शाहजी में आर्म्स एक्ट के 2 और एक्साइज एक्ट का एक मामला दर्ज है.

मंत्री गणेश जोशी ने शिव शक्ति धाम मंदिर में चलाया साफ-सफाई अभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जनवरी : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मंदिरों में स्वच्छता अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून नया गांव स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर तथा चिडोवाली, राजपुर रोड देहरादून स्थित शिव शक्ति धाम मंदिर में पहुंचकर परिसर में साफ-सफाई की और श्रमदान किया। इसके उपरांत कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने चिडोवाली मंदिर परिसर के बाहर फलदार अमरूद के पौधे का रोपण भी किया।

गौरतलब अयोध्या से प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर के लोगों से मकर संक्रांति के दिन से छोटे-मोटे तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता का अभियान चलाने का आह्वान किया गया था। जिसके निमित्त आज कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंदिर प्रांगण में साफ सफाई की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा सदियों की तपस्या अब पूरी होने जा रही हैं। उन्होंने कहा अब कुछ दिन ही शेष रह गए है जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम अपने महल में विराजमान होंगे। उन्होंने कहा 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विधिवत भव्य राम मंदिर का लोकार्पण करेंगे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा आज पूरा देश राममय है। उन्होंने लोगों से राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के दिन लाइव प्रसारण तथा अपने घरों में श्री राम ज्योति जलाने का आव्हान भी किया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ज्योति कोटिया, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, सुरेंद्र राणा, पूनम नौटियाल, सतेंद्र नाथ, चुन्नी लाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

195 मृतक आश्रितों के लिए उत्तराखंड परिवहन निगम का तोहफा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड परिवहन निगम के देहरादून मंडल में 87 मृतक आश्रितों का चयन नौकरी के लिए किया गया है, लेकिन इनमें से कई के दस्तावेज पूरे नहीं हैं। परिवहन निगम मुख्यालय ने इन सभी की सूची जारी करते हुए दस्तावेज जमा कराने के लिए 19 जनवरी को मुख्यालय में बुलाया है। दरअसल, परिवहन निगम में खराब आर्थिक हालात के चलते वर्ष 2017 में मृतक आश्रित कोटे के 195 पदों को फ्रीज कर दिया गया था।

अब निगम की वित्तीय स्थिति में सुधार आने के बाद ये रोक हाल ही में सरकार ने हटाई है। शासन के आदेश के बाद परिवहन निगम मुख्यालय ने आश्रितों की सूची मांगी थी। देहरादून मंडल से 87 आश्रित की मूल पत्रावलियां पहुंची हैं। इनमें से कई आश्रित दावेदार ऐसे हैं, जिनके दस्तावेज अधूरे हैं।

लिहाजा, मृतक आश्रितों को कहा गया है कि वह अपने संबंधित दस्तावेज के साथ 19 जनवरी को परिवहन निगम मुख्यालय पहुंचें। महाप्रबंधक संचालन दीपक जैन ने स्पष्ट किया है कि इस काम में किसी तरह की शिथिलता न बरती जाए। प्राथमिकता के आधार पर सबको सूचित किया जाए ताकि वह समय से अपने दस्तावेज लेकर पहुंच सकें। इन दस्तावेजों में कई दावेदारों के वारिसान प्रमाण पत्र नहीं हैं तो कई के वारिसों की ओर से आश्रित को नौकरी का मूल शपथ पत्र तो कई के परिवार में कोई सदस्य सरकारी नौकरी में न होने का शपथ पत्र नहीं है।

मंत्री सौरभ बहुगुणा , 'इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल' में हुए शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरियाणा, 19 जनवरी , 'इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल' का उद्घाटन समारोह, और 'केंद्र और राज्यों के साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्रियों एवं सचिवों की संगोष्ठी' का फरीदाबाद स्थित ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ जितेन्द्र सिंह केन्द्रीय मंत्री साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी उपस्थित रहे। उत्तराखंड राज्य के प्रतिनिधि के रूप में केबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल' (आईआईएसएफ) 2023 का 9वां संस्करण 17 से 20 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। भारत का मेगा विज्ञान मेला फ़रीदाबाद में ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरसीबी) के परिसर में आयोजित किया गया है।

22 जनवरी को होगी रामराज्य की संकल्पना साकार : मदन कौशिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 19 जनवरी , भाजपा विधायक मदन कौशिक ने कहा कि 22 जनवरी को एक नये इतिहास का सृजन होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नये भारत का उदय होगा। देश मे रामराज्य की संकल्पना आधारभूत होने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर नमो नमो मोर्चा, भारत के कार्यकर्ता एक कदम आगे बढ़कर कार्य कर रहें है। इसके लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं।

गौरतलब है कि अयोध्या में भगवान श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में नमो नमो मोर्चा, भारत के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को श्री अवधूत मंडल आश्रम बाबा हीरादास हनुमान मंदिर सिंहद्वार ज्वालापुर हरिद्वार में स्वच्छता अभियान चलाया।

नगर विधायक मदन कौशिक, एवं महामंडलेश्वर डॉ संतोषानंद देव महाराज के साथ कार्यकर्ताओं ने पूरे मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर धुलाई की।इस मौके पर महामंडलेश्वर डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज ने कहा कि नमो नमो मोर्चा भारत के कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हैं। आज देशभर में रामोत्सव की धूम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं सीएम योगी भारत भूमि पर महापुरुष के तौर पर अवतरित हुए हैं। राममंदिर निर्माण के साथ ही उन्होंने भारत माता के खोये सम्मान को वापस दिलाने का कार्य किया है। आज पूरा देश रामनाम का गुणगान कर रहा है। इसके लिए वे प्रधानमंत्री मोदी, सीएम योगी सहित समस्त देशवासियों का आभार व्यक्त करते है। निश्चित तौर पर भारत में रामराज्य की स्थापना का सपना साकार होने जा रहा है।

नमो नमो मोर्चा भारत के संरक्षक एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा नमो नमो मोर्चा भारत के सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। जों अपने राजा के इशारे पर दिन रात सेवा कार्यो में जुटे हुए हैं। आगामी 22 जनवरी तक लगातार सफाई अभियान, दीपदान, कीर्तन भजन आदि के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास कर रहे हैं। नमो नमो मोर्चा भारत की महिला जिला अध्यक्ष रंजीता झा ने कहा कि भगवान राम के कार्य में हर व्यक्ति को सहयोग करना चाहिए। पूर्वांचल उत्थान संस्था के अध्यक्ष सीए आशुतोष पांडेय ने कहा कि देशवासियों में राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर गजब का उत्साह है। महासचिव बीएन राय पूरे देश में धार्मिक उत्सव मनाया जा रहा है। देशवासियों को एक बार फिर दीपावली मनाने का मौका मिला है। नमो नमो नमो मोर्चा भारत के संरक्षक एवं जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के आह्वान पर आगे बढ़कर उनके निर्देशों को पूरा करने के लिए सब प्रतिशत प्रदान करेंगे।विकास तिवारी जी प्रदेश संरक्षक , तरुण शुक्ला जी प्रदेश आईटी , शिव शंकर पाण्डेय, जिला महामंत्री , ज्ञान प्रकाश , कोषाध्यक्ष हरिनारायण त्रिपाठी, जिला मंत्री सुधा राठौर संगीता बंसल, नीति शर्मा सचिन चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

सीएम धामी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'रिस्पना-बिंदाल फ़ोर लेन ऐलिवेटेड रोड' को साकार करने में जुटे डा0 पंकज कुमार पाण्डेय

पीडब्ल्यूडी सचिव डॉ. पंकज पांडे ने अफसरों संग रिस्पना बिंदाल नदियों का किया तूफ़ानी दौरा

मौ सलीम सैफी,
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 जनवरी , देवभूमि उत्तराखंड की स्मार्ट राजधानी देहरादून को नई पहचान देने में जुटी धामी सरकार लगातार नयी नयी योजनाओं से शहर को संवारने में जुटी है। इसी का अहम हिस्सा है रिस्पना और बिंदाल नदियो के किनारों पर बनने वाली फ़ोर लेन ऐलिवेटेड मागों का निर्माण ... राज्य सरकार की देहरादून के लिए अति विशिष्ट एवं महत्वकांक्षी योजना में शामिल रिस्पना एवं बिन्दाल नदियों के किनारे चार लेन ऐलिवेटेड मागों के निर्माण के प्रस्तावित प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए सचिव, लोक निर्माण विभाग डा0 पंकज कुमार पाण्डेय ने लो०नि०वि० के वरिष्ठ अभियन्ताओं एवं कन्सलटेंसी फर्म के विशेषज्ञों के साथ शहर भर का तूफ़ानी दौरा किया और स्थलीय निरीक्षण के दौरान अफसरों को मुख्यमंत्री धामी के विज़न के अनुरूप अहम निर्देश दिए

आराघर से रिस्पना पुल को भी अलग फ्लाई ओवर से जोड़ने की फिजिबिलिटी स्टडी के लिए सरकार गंभीर

ये है एलिवेटेड रोड का पूरा ट्रेक -

आपको बता दें कि इस महत्वकांक्षी एलिवेटेड रोड परियोजना के अन्तर्गत रेस्पिना एलिवेटेड रोड़ 11.00 कि०मी० एवं बिंदाल एलिवेटेड रोड़ 15.00 कि०मी० लंबी है, जो चार लेन में बनायी जानी प्रस्तावित हैं। रिस्पना नदी किनारे ऐलिवेटेड मार्ग विधान सभा के समीप रिस्पना पुल से प्रारम्भ होकर राजपुर-सहस्त्रधारा मार्ग पर नागल सेतु पर जुड़ता है, जो कि सहस्त्रधारा क्रासिंग के समीप सेतु एवं धोरण पुल के पास दो स्थलों पर संलग्न मुख्य मार्गो से भी जुड़ेगा। बिन्दाल नदी के साथ साथ ऐलिवेटेड मार्ग हरिद्वार बाईपास (NH-72) पर कारगी के समीप बिन्दाल सेतु से प्रारम्भ होकर राजपुर रोड पर डाईवर्जन से आगे सांई मन्दिर पर जुड़ता है जोकि सहारनपुर रोड़ पर लाल पुल एवं चकराता रोड़ पर बिन्दाल पुल पर भी यातायात को संयोजकता प्रदान करेगा।

सचिव , डॉ० पंकज कुमार पाण्डेय ने दिए निर्देश -

सचिव, लो०नि०वि० डॉ० पंकज कुमार पाण्डेय ने दोनों ऐलीवेटेड रोड परियोजना के प्रारंम्भ बिन्दु, अंतिम बिन्दु समस्त क्रासिंग के अलावा अन्य संवेदनशील स्थानों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया और तकनीकी बिन्दुओं के साथ व्यवहारिक पक्षों पर भी चर्चा की। डॉ० पाण्डेय, सचिव के द्वारा निर्देश दिये गये कि राष्ट्रीय राजमार्ग, एन०एच०ए०आई० के अधिकारियों से समन्वय बनाकर रिंग रोड एवं जोगीवाला फ्लाई ओवर के संरेखण का भी संज्ञान लेते हुये आवश्यकतानुसार संशोधन कर लिया जाय। इसके साथ ही मुख्य अभियंता, लो०नि०वि० को निर्देश दिये कि आराघर से रिस्पना पुल को भी अलग फ्लाई ओवर से जोड़ने की फिजिबिलिटी स्टडी करा ली जाय। सचिव लो०नि०वि० डॉ० पाण्डेय द्वारा निर्देश दिये गये कि दोनों संरेखणों में पड़ने वाले समस्त यूटिलिटी से सम्बन्धित विभागों PITCUL, UPCL, जल संस्थान एवं पेयजल निगम से समन्वय बनाकर उनकी प्रभावित सेवाओं के शिफ्टिंग हेतु वास्तविक आंकलन के आधार पर आगणन प्राप्त कर लिया जाय।

सचिव पांडे ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता एवं कसंलटेंट को निर्देश दिये हैं कि दोनों नदियों की वर्तमान स्थिति एवं प्रस्तावित / ऐलिवेटेड मार्गों के डिजाईन की चौड़ाई के सापेक्ष प्रभावित भूमि / संरचना की स्पष्ट स्थिति के साथ तकनीकी बिन्दुओं पर आवश्यक संशोधन करते हुये एक सप्ताह के अन्दर उनके संज्ञान में लायेंगे। निरीक्षण के समय मुख्य अभियंता लो०नि०वि० एन०पी० सिंह, अधीक्षण अभियन्ता रणजीत सिंह, अधिशासी अभियन्ता जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी सहित पीडब्ल्यूडी कंसल्टेंट्स इत्यादि उपस्थित थे।

Google लाखों यूजर्स को देने वाला है झटका! बंद होगी Websites

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 जनवरी , Google ने हाल ही में घोषणा की है कि वह Google Business Profile का यूज करके बनाई गई वेबसाइटों को बंद करने जा रहा है। कंपनी ने इसके लिए मार्च से 10 जून तक की समयसीमा तय की है। गूगल ने अपने एक ऑफिशियल ब्लॉग में बताया है कि मार्च 2024 में, बिजनेस प्रोफाइल से बनी वेबसाइटें बंद कर दी जाएंगी और आपकी साइट पर आने वाले यूजर्स को इसके बजाय आपके बिजनेस प्रोफाइल पर रीडायरेक्ट कर दिया जाएगा। आइये सबसे पहले समझते हैं क्या होता है गूगल बिजनेस प्रोफाइल...

क्या है गूगल बिजनेस प्रोफाइल?

Google का बिजनेस प्रोफाइल एक फ्री टूल है जो यूजर्स को Google सर्च और मैप पर उनके व्यवसाय को डिस्प्ले करने की सुविधा देता है। बिजनेस प्रोफाइल के साथ, यूजर्स इसके जरिए ग्राहकों से जुड़ सकते हैं, अपडेट पोस्ट कर सकते हैं, अपने प्रोडक्ट और सर्विस को लिस्ट कर सकते हैं, अपना मेनू शेयर कर सकते हैं और बहुत से काम कुछ ही मिनटों में कर सकते हैं।

इन ऑप्शंस को करें चेक

हालांकि 2023 में, Google ने अपना डोमेन बिज़नेस स्क्वैरस्पेस बेच दिया। कंपनी तब से Google Domains यूजर्स को स्क्वैरस्पेस पर रीडायरेक्ट कर रही है। इससे बचने के लिए Google ने 6 वेबसाइट बिल्डरों का भी Suggestion दिया है, जिन पर जाकर यूजर्स काफी सस्ते में अपनी वेबसाइट बना सकते हैं। इन प्लेटफार्म में Wix, स्क्वैरस्पेस, GoDaddy, Google साइट्स, Shopify और WordPress शामिल हैं।

इन Websites पर होगा असर

जानकारी के अनुसार, इस बदलाव का असर उन वेबसाइटों पर होगा जिनका URL Business.site और negocio.site पर खत्म होता है।अभी आपके पास इसे अपडेट करने के लिए लगभग दो महीने का समय और है।अगर कोई यूजर 10 जून के बाद किसी बिजनेस प्रोफाइल वेबसाइट पर विजिट करेगा तो आपको वह पेज नहीं मिलेगा।

कैसे रखें अपनी बिजनेस प्रोफाइल वेबसाइट को एक्टिव?

अगर आप अपनी बिजनेस प्रोफाइल वेबसाइट को एक्टिव रखना चाहते हैं तो आप WordPress को चुन सकते हैं जो सबसे बेस्ट ऑप्शन है यहां आपको फ्री में कई टूल्स मिल जाते हैं। इसके अलावा आप बिना कोडिंग के यहां से किसी भी थीम को अपने बिजनेस के हिसाब से चुन सकते हैं। हालांकि GoDaddy भी एक अच्छा ऑप्शन है लेकिन इसमें WordPress की तुलना में कम फीचर्स मिलते हैं और कुछ तो पेड भी हैं। जबकि वर्डप्रेस कई जबरदस्त फीचर्स फ्री में ऑफर करता है।

आपकी ड्राइविंग का टेस्ट लेती है ये सड़क

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 जनवरी : इरोहाजाका वाइंडिंग रोड बड़ी ही फेमस है, जिसका हवाई दृश्य पहाड़ पर रेंगते किसी 'विशाल सांप' की तरह दिखता है. ये सड़क आपकी ड्राइविंग का अच्छे से टेस्ट लेती है, क्योंकि इसमें इतने मोड़ हैं कि गाड़ी मोड़ते-मोड़ते अच्छी खासी मेहनत हो जाती है, जिनमें से कई मोड़ तो बेहद खतरनाक मानते जाते हैं. इसके बावजूद , अपने प्राकृतिक सुंदरता की वजह से ये सड़क कई लोगों के लिए पसंदीदा ड्राइविंग स्पॉट है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इरोहाजाका जापान में घुमावदार सड़कों का एक पेयर है, जो टोचिगी प्रांत के निक्को के निचले मैदानों को पहाड़ी ओकुनिक्को क्षेत्र से जोड़ती है. इन घुमावदार सड़कों का नाम इरोहाज़ाका इसलिए रखा गया, क्योंकि इनमें कुल मिलाकर 48 हेयरपिन मोड़ हैं. हर मोड़ को जापानी वर्णमाला के 48 अक्षरों में से एक के साथ लेबल किया गया है. हालांकि, पिछले कुछ सालों में संकरी सड़क का आधुनिकीकरण किया गया है, लेकिन मोड़ों की संख्या स्थिर रखने का ध्यान रखा गया है।

इरोहाज़ाका में दो सड़कें शामिल हैं, जो 'पुरानी सड़क' 1954 में बनाई गई, जो चुजेन्जी झील से निक्को तक नीचे की ओर जाती है, जबकि 'नई सड़क' 1965 में बनाई गई. पहले इन सड़कों पर टोल लिया जाता था, लेकिन बाद में इनको टोल फ्री कर दिया गया. आज पुरानी सड़क केवल नीचे की ओर यातायात करने के लिए खुली है. बीच में एक स्टॉप प्वाइंट है, जहां स्थित दो झरनों को देखने के लिए लोग रुकते हैं। वहीं, नई सड़क केवल ऊपर की ओर यातायात के लिए खुली है, जो अकेचिदैरा पठार तक चलती है. हालांकि, यह सड़क हरे-भरे पेड़ों से गिरे पहाड़ों पर से होकर गुजरती है, जिससे यहां ड्राइविंग करने का अलग ही मजा है. कुछ लोग इस सड़क को गाड़ी चलाने के लिए अपनी पसंदीदा जगह के रूप में बताते हैं.

ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से उज्जैन तक दौड़ी ट्रेन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 जनवरी , पर्यटकों की सुविधा के लिए रेल मंत्रालय ने एक बहुत बड़ा निर्णय लिया है। आपको बता दें कि अब योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से उज्जैन तक ट्रेन का संचालन शुरू ककर दिया गया है। भोले बाबा की नगरी उज्जैन के लिए अब यात्रियों को ऋषिकेश से डायरेक्ट सुविधाजनक साधन मिल रहा है। योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से लक्ष्मीबाई एक्सप्रेस का संचालन शुरू हो गया है। यह ट्रेन सप्ताह में चार दिन मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को लक्ष्मीबाई नगर के लिए संचालित होगी। ट्रेन के संचालन पर जानकारी देते हुए ऋषिकेश रेलवे स्टेशन के प्रबंधक ज्ञानेंद्र परिहार ने बताया कि गाड़ी संख्या 14317 योगनगरी ऋषिकेश से लक्ष्मीबाई नगर के लिए संचालित होगी। यह ट्रेन उज्जैन के बाद लक्ष्मीबाई नगर जंक्शन तक जाएगी।लक्ष्मीबाई एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 14309 ऋषिकेश से सुबह 6:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 6:05 बजे लक्ष्मीबाई नगर पहुंचेगी। लक्ष्मीबाई नगर से यह ट्रेन दोपहर 3:30 बजे लक्ष्मीबाई नगर से शुरू होकर अगली शाम 6:45 बजे योगनगरी ऋषिकेश पहुंचेगी।

यहाँ हैं पत्थर के सैकड़ों रहस्यमयी टॉवर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 जनवरी : चीन में पत्थर के सैकड़ों रहस्यमयी टॉवर हैं, जिन्हें हिमालयन टॉवर ऑफ चाइना नाम से जाना जाता है. ये टॉवर्स सिचुआन प्रांत और तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र के पहाड़ों में स्थित हैं, जिनकी अजीबोगरीब डिजाइन हैरान करती है. इन टॉवर्स को किसने बनाया और इनका क्या यूज था, इस बारे में कोई नहीं जानता है.

एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी खोजकर्ता फ्रेडरिक डैरागोन ने सबसे पहले इन टावरों के बारे में दुनिया को बताया था. वह 1998 में स्नो लेपर्ड्स पर रिसर्च करने के लिए तिब्बत गई थी, तब उन्होंने इन रहस्यमयी टॉवरों को देखा था. इसके बाद, उन्होंने हिम तेदुओं पर रिसर्च करने के बजाय अगले पांच साल तक इन टॉवर्स का अध्ययन करने में बिताए. डैरागोन ने इन टॉवर्स को गिना, इनकी मैपिंग की और तस्वीरें खीचीं. साथ ही ये भी पता लगाया कि ये टॉवर किससे बनने हुए थे. हालांकि, उन्हें ये जानकर आश्चर्य हुआ कि किसी को नहीं पता था कि इन्हें किसने और किस मकसद से बनाया था.

टावरों को बनाने में इस्तेमाल की गई लकड़ी की रेडियोकार्बन डेटिंग करके डैरागोन ने निर्धारित किया कि ये टॉवर 600 से 1,000 वर्ष पुराने हैं. उनका मानना है कि टॉवरों से कोई एक उद्देश्य पूरा नहीं होता था, लेकिन इसका उपयोग घाटी दर घाटी अलग-अलग था. इन टॉवर्स की डिजाइन अजीबोगरीब है, जो वर्गाकार, बहुभुज और तारे के आकार सहित विभिन्न आकारों में हैं, जिनको बनाने में कटे हुए पत्थर, ईंट, मोर्टार और लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है. ये टॉवर्स बड़े ही मजबूत बताए जाते हैं, इनको बड़ी ही सूझबूझ के साथ बनाया गया. तभी तो ये भूकंप के झटकों को भी अवशोषित करने में सक्षम हैं. पाए गए इन टॉवर्स की ऊंचाई 60 फीट से लेकर 200 फीट तक बताई गई है।

'अबकी बार, 400 पार' : सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सितारगंज , 19 जनवरी , उत्तराखंड सरकार के प्रभावशाली कैबिनेट मंत्री और सितारगंज विधायक सौरभ बहुगुणा ने अपने विधान सभा क्षेत्र के शक्तिफार्म में ₹दीवार लेखन₹ अभियान चलाया और लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के लिए ₹अबकी बार, 400 पार₹ का नारा दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने कमल का फूल बनाकर अपना संस्थान भी दिया।

नयी' और 'नई' शब्दों में क्या है फर्क, एक ही हैं या फिर मतलब है अलग-अलग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 जनवरी : हमारी रोजाना की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाले बहुत से ऐसे शब्द होते हैं, जिन्हें हम खूब इस्तेमाल करते हैं लेकिन कभी ये नहीं जानने की कोशिश करते कि ये सही भी है या नहीं. कुछ शब्दों को तो हम ज़िंदगी भर गलत ही लिखते हैं. होता यूं है कि हमने किसी को ऐसा लिखते देख लिया तो उसी को सही मान लिया. ऐसे ही एक शब्द को लिखने का कन्फ्यूजन कुछ लोगों को जीवन भर बना रहता है – वो है 'नयी' और 'नई'. तो फिर क्या है सही ?हाल ही में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक यूज़र ने पूछा कि हिंदी के शब्द 'नयी' और 'नई' में फर्क क्या होता है, जो कुछ लोग इसे 'नयी' लिखते हैं, तो कुछ 'नई'. इसके जवाब में यूज़र्स ने अपनी अलग-अलग राय रखी है. सबके अपने-अपने तर्क थे. हालांकि ये सवाल काफी पेचीदा है और इसका सीधा जवाब दे पाना भी आसान नहीं है.

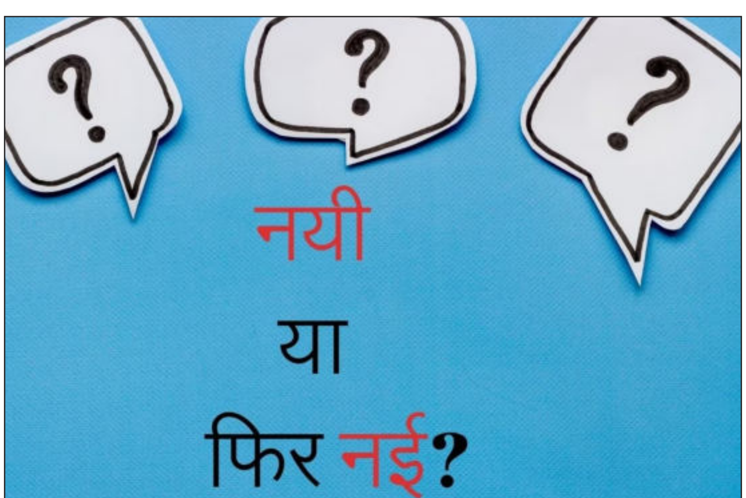

सबसे पहले तो सवाल ये है कि 'नयी' और 'नई' में कुछ फर्क होता भी है या नहीं? वैसे तो दोनों को ही एक ही अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है, सुनने में इसमें कोई अंतर समझ में नहीं आता लेकिन लिखते वक्त ज़रूर लोग भ्रमित हो जाते हैं. यहां भी गयी और गई की तरह कुछ लोगों ने मानकीकरण हिंदी के तहत श्रुतिमूलक और स्वरात्मक रूप का हवाला दिया है. यानि सुनने में तो इन दोनों शब्दों का उच्चारण एक जैसा ही है लेकिन अगर इसे लिखेंगे तो ये नई हो सकता है. चूंकि ये क्रिया न होकर संज्ञा है, ऐसे में 'नया' का इस्तेमाल पुल्लिंग के तौर पर होने पर व्याकरण के आधार पर इसे 'नयी' ही लिखा जाएगा. अगर नया शब्द का अंत न'आ' होता तो इसे बेशक स्वरात्मक रूप से स्त्रीलिंग होने पर नई लिख दिया जाता। इस पर बहस तो काफी लंबी हो सकती है और अलग-अलग तरह के तर्क सामने आ सकते हैं. हालांकि सीधी चीज़ ये है कि दोनों ही शब्दों को समान अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है और लोग अपनी-अपनी समझ के हिसाब से लिखते हैं. मुख्य बात ये है कि किसी भी परिस्थिति में इनके अर्थ में कोई बदलाव नहीं आता है. जिन भी शब्दों में सुनकर लिखने के बाद 'यी' और 'ई', 'ये' और 'ए' का फर्क आता है, उनमें से किसी को भी सही या गलत नहीं कहा जा सकता.

एसीएस राधा रतूड़ी ने पूर्णागिरी का मास्टर प्लान तलब किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 जनवरी , एसीएस राधा रतूड़ी ने पूर्णागिरी क्षेत्र के विकास हेतु मास्टर प्लान को तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश के साथ ही शासन स्तर के अधिकारियों एवं जिलाधिकारी चंपावत को मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर इंटिग्रेटेड अप्रोच के साथ काम करते हुए जल्द से जल्द योजनाओं को पूरा करने की हिदायत दी उन्होंने दूरस्थ एवं दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए।

सचिवालय में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने चंपावत विधानसभा क्षेत्र हेतु मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की।बैठक में शहरी विकास विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि चम्पावत के गोरलचोड मैदान को स्टेडियम का स्वरूप देने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा 45 लाख रूपये की वितीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति हेतु प्रस्ताव सचिव आवास को भेज दिया गया है। बनबसा में मुक्तिधाम के निर्माण के कार्य को जल्द ही सिंचाई विभाग को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। नगर क्षेत्र चम्पावत में सीवर लाईन के सम्बन्ध में यूयूएसडीए द्वारा डीपीआर पर कार्य किया जा रहा है। चम्पावत में पंचमुखी गौशाला धाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा स्थल चयन समिति से आख्या मांगी गई है। टनकपुर में कम्युनिटी हॉल के निर्माण के सम्बन्ध में कार्यवाही गतिमान है।

पर्यटन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि चम्पावत में एडवेंचर पार्क के निर्माण, हैरिटेज स्ट्रीट के निर्माण, पूर्णागिरी क्षेत्र को ईको टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने, गौरलचौड मैदान के समीप ओपन एयर थियेटर के निर्माण तथा गोल्ज्यू मंदिर के समीप पर्यटन अवस्थापनाओं के विकास के सम्बन्ध में कार्यवाही गतिमान है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि तहसील चम्पावत में ग्रामीण क्षेत्रों में (अलग-अलग ग्रामों में) 10 किमी सड़क निर्माण के सम्बन्ध में आगणन तैयार किये जा रहे हैं।

चमतौला से ओलना तक मोटर मार्ग के निर्माण की डीपीआर 29 जनवरी तक शासन को उपलब्ध हो जाएगी। बालातडी के गोलचोरा बैड से खरडी मटकनी मोटर मार्ग के निर्माण, किमोटा-रिरवाडी मोटर मार्ग के निर्माण, टाक खंदक-करौली मोटर मार्ग के डामरीकरण, केदारनाथ गैस गोदाम से भैसर्क तक 2.5 किमी0 कच्चे मोटर मार्ग के सुधारीकरण, देवीधूरा मुख्य मार्ग से आदर्श महाविद्यालय देवीधूरा कन्वाण तक 03 किमी सड़क के नवनिर्माण तथा पखोटी बैंड से पखोटी बैरख 5 किमी कच्चे मोटर मार्ग के सुधारीकरण एवं डामरीकरण पर कार्यवाही गतिमान है। बैठक में अपर सचिव नितिन भदौरिया, विनीत कुमार, पूजा गर्ब्याल तथा वर्चुअल माध्यम सें जिलाधिकारी चंपावत नवनीत पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

'कौमी चौपाल' भाजपा को मुसलमानों के वोट दिलाएगी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 जनवरी , लोकसभा चुनाव में अब तीन महीने से भी कम का समय बच गया है. अनौपचारिक तौर पर सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में भी जुट गए हैं. भारतीय जनता पार्टी की कमजोर कड़ी हर चुनाव में मुस्लिम मतदाता रहे हैं. पार्टी इस दफा इस मोर्चे पर भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती. लिहाजा लोकसभा चुनाव से पहले यूपी के मुस्लिम वोटरों को साधने में बीजेपी लग गई है.

इसके लिए 1 फरवरी से बीजेपी का मुस्लिम मोर्चा, कौमी चौपाल शुरू करेगा. इसके जरिये पश्चिमी यूपी की 21 लोकसभा सीटों के मुस्लिम वोटरों को साधने की भारतीय जनता पार्टी की कोशिश होगी. बीजेपी इस अभियान के तहत मुस्लिम बहुल गांवों पर फोकस कर रही है. पार्टी का मुस्लिम मोर्चा सरकार और मुस्लिमों के बीच पुल का काम करेगी.

4100 गांव तक पहुंचने का है लक्ष्य

जानकारी के मुताबिक इस मुहिम के तहत भारतीय जनता पार्टी का अल्पसंख्यक मोर्चा पश्चिम यूपी के 4100 मुस्लिम बहुल गावों में जाएगा. इन गांवों में मुस्लिम चौपाल लगेगी और चौपाल लगाकर उन गांवों के मुसलमानों की समस्या सुने जाएंगे. बीजेपी की कोशिश यह भी है कि वह इन चौपालों के माध्यम से सरकार की योजनाएं मुस्लिम मतदाताओं को बताए.

पिछले चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश में लोकसभा की कुल 80 सीटें हैं. इनमें से 71 सीटों पर पार्टी ने साल 2019 में जीत दर्ज किया था जबकि साल 2019 में पार्टी की सीटों की संख्या 9 घटकर 62 पर आ गई थी. इस बार इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ आने की स्थिति में भारतीय जनता पार्टी को कड़ी टक्कर मिल सकती है. इन्हीं चीजों को ध्यान में देखते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मतदाताओं को भी अपने पाले में गोलबंद करना चाहती है.

बिना Network के 5 किलोमीटर तक फ्री में होगी बातचीत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 जनवरी , अगर आप कहीं पर ट्रिप करने जा रहे हैं तो कई बार ऐसा होता है कि आपके फोन का नेटवर्क चला जाता है और आप किसी से बात नहीं कर पाते है ऐसे में मार्केट में एक ऐसा डिवाइस मौजूद है, जोकि आपको फ्री में बातचीत करवा सकता है इस डिवाइस की रेंज किसी प्रोफेशनल रेडियो डिवाइस से कम होती है, उसके बावजूद ये 5 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है। आज हम आपको इस डिवाइस के तगड़े ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानें कौन सा है ये वॉकी-टॉकी

असल में Walkie Talkie डिवाइस एक अच्छा वॉकी टॉकी डिवाइस है जिसे आप ऑनलाइन के माध्यम से भी खरीद सकते हैं। इसे खरीदने के लिए आपको 1800 से 2000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं और इसमें दो यूनिट्स आपको दिए जाते हैं जिनकी रेंज बेहतरीन होती है।

क्या है इसकी खासियत ?, कैसे करता है काम

दरअसल, यह डिवाइस 5 किलोमीटर की रेंज के साथ आता है। इसके साथ ही यह आकार में बेहद हल्का मजबूत होता है जिससे ये लंबे समय तक चलता है। कई अलग-अलग ब्रांड्स इन्हें ऑफर कर रहे हैं और अच्छे वॉकी-टॉकी आप 2 हजार रुपये में घर ले जा सकते हैं। यह डिवाइस पूरी तरह से वॉटर प्रूफ है जिससे आपको एडवेंचर पर जाने के दौरान इनकी फ़िक्र करने की जरूरत ना पड़े। वहीं जब आप इस डिवाइस को खरीदते है तो इसके साथ आपको एक चार्जर भी मिलता है जिससे आप इसे चार्ज कर सकते है।

एडवेंचर के शौकीनों को अपने साथ ये डिवाइस जरूर रखना चाहिए क्योंकि ये आपातकाल स्थिति में बड़े काम आ सकता है. बिना नेटवर्क के भी ये बातचीत करवा सकता है।

आप जानते है कौन से कान पर लगाकर सुनना चाहिए फोन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 जनवरी : आपने कभी इस बारे में सोचा हो या नहीं, लेकिन सवाल तो है. स्मार्टफोन का इस्तेमाल आजकल हर इंसान करता है. स्मार्टफोन मानो जीवन की जरूरत बन गया है. पिछले कुछ वर्षों में फोन के इस्तेमाल को लेकर कई तरह की स्टडीज़ सामने आई हैं. कोई कहती है कि फोन के इस्तेमाल से कैंसर तक हो सकता है तो दूसरी इस बात को सिरे से खारिज कर देती है. फिर कोई स्टडी आती है और बताती है कि इसके रेडिएशन से मानव समेत पशु-पक्षियों को बड़ा खतरा है तो कोई कुछ और कहती है.

इतना तो सब जानते हैं कि फोन पर ज्यादा समय बिताने से आंखों पर प्रतिकूल असर पड़ता है. लेकिन फोन इस्तेमाल करने के लिए आंखों के साथ-साथ कानों की जरूरत भी है. शायद ही किसी ने कानों पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में सोचा हो. आपने भी नहीं सोचा होगा. दुनिया में कुछ शोधकर्ता इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन-सा कान लेफ्ट या राइट फोन सुनने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए, और कौन-सा नहीं करना चाहिए. तो चलिए जानते हैं अब तक इन शोधकर्ताओं ने क्या-क्या चीजों को पता लगाया है.

ज्यादातर लोग फोन पर बात करते समय दाएं कान (Right ear) का इस्तेमाल करते हैं. एक रिसर्च के मुताबिक, दाईं तरफ के कान से फोन सुनना सीधा दिमाग पर असर डालता है, जिससे आप छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान हो सकते हैं. एक रिसर्च के मुताबिक, जब हम फोन पर बात करने के लिए दाएं कान का इस्तेमाल करते हैं, तो इसके रेडिएशन ब्रेन पर ज्यादा असर डालते हैं. इसलिए फोन पर बात करते समय हमें बाएं कान (Left ear) का इस्तेमाल करना चाहिए.

हालांकि, इस बात को साबित करने के लिए कोई पर्याप्त सबूत नहीं है और न ही इस बात का कोई सबूत है कि फोन कॉल के लिए बाएं कान का यूज करना सुरक्षित है या दाएं कान का. 2002 में फिनलैंड साइंटिस्ट एंड न्यूक्लियर सेफ्टी अथॉरिटी के अध्ययन में कहा गया था कि जब मानव कोशिकाएं फोन के संपर्क में आती हैं, तो इससे ब्लड-ब्रेन बैरियर (Blood-Brain Barrier) को नुकसान होता है.बता दें कि ब्लड-ब्रेन बैरियर को मानव शरीर में सेफ्टी बैरियर के रूप में भी जाना जाता है जो रक्त में खतरनाक पदार्थों को दिमाग में प्रवेश करने से रोकता है. हालांकि, अध्ययन यह बताने में विफल रहा कि फोन पर बात करते समय किस कान का इस्तेमाल किया जाना चाहिए. ऐसे में आपके लिए, जरूरी है कि फोन पर बात करते वक्त फोन को एक कान से दूसरे की तरफ बदलते रहें और दोनों कानों का इस्तेमाल करें. अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया है कि लगभग 80 प्रतिशत लोग फोन पर कॉल करते समय अपने दाहिने कान का उपयोग करते हैं, क्योंकि हमारे दिमाग का बायां हिस्सा ज्यादा प्रभावशाली होता है.

देहरादून में राम नाम पर साइबर ठगों ने भी लूटना शुरू किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 जनवरी , अयोध्या में मंदिर निर्माण के नाम पर भी साइबर ठगों ने ठगी का जाल बिछाया है। साइबर ठग लोगों को चंदे के नाम पर फोन कर रहे हैं। इस दौरान उनसे तमाम तरह की जानकारियां मांग कर उनके खातों में भी सेंध लगाई जा रही है। हालांकि, अभी तक एसटीएफ या साइबर थाने में कोई शिकायत नहीं आई है। लेकिन, एसटीएफ ने इस मामले में लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

आपको बता दें कि राममंदिर निर्माण के लिए जन्मभूमि ट्रस्ट को इतनी धनराशि मिली है कि अब तक उसका कुछ हिस्सा ही खर्च हो पाया है। बता दें कि देश में हर बड़े आयोजन या क्रियाकलापों से संबंधित मौकों को साइबर ठग भुनाने से पीछे नहीं रहते हैं। इनमें चाहे चारधाम यात्रा के दौरान हेली सेवा हो या फिर कुछ और। अब साइबर ठगों ने मंदिर निर्माण में चंदे की मांग कर रहे हैं।

लोगों को इस तरह के फोन आ रहे हैं जिनमें मंदिर निर्माण के लिए तमाम संगठनों का हवाला देते हुए चंदा मांगा जा रहा है। इनमें कुछेक लोगों ने रकम जमा कराई लेकिन इसकी शिकायत अभी फिलहाल पुलिस से नहीं की गई है। बंजारावाला निवासी अरुण कुमार के पास शनिवार को एक फोन आया जो कंप्यूटरीकृत फोन कॉल थी। इसमें उनसे चंदे के लिए 100, 200 और इससे अधिक के लिए तमाम नंबर दबाने के लिए कहा जा रहा था।

एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि इस तरह की फोन कॉल से सावधान होने की जरूरत है। इसके लिए जल्द ही सोशल मीडिया पर भी एक एडवाइजरी जारी की जाएगी। लोग क्यूआर कोड देने से बचें। इसके साथ ही कंप्यूटरीकृत फोन आने पर भी और भी ज्यादा सावधान होने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि ऐसी कॉल के लिए भी ठग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा भी ले रहे हैं।

सीवर ट्रीटमेंट प्लांट विस्तारीकरण हुआ तो जंन आंदोलन : सूर्यकांत धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 जनवरी , आईटीबीपी सीमाद्वार व इंद्रानगर के आवास विकास कालौनी के बीचों बीच घनी आबादी में सीवर ट्रेटमेंट प्लांट से परेशान लोगों ने प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना के नेतृत्व में जिलाधिकारी सोनिका के कार्यालय पर धावा बोल दिया व उनसे तत्काल सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के विस्तारीकरण का कार्य रोकने व पहले से स्थापित प्लांट को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की। धस्माना ने जिलाधिकारी को बताया कि वर्ष 2008-9 में पिथुवाला में उक्त प्लांट स्थापित होने था किंतु अज्ञात कारणों से उसे पिथुवाला में न लगा कर घनी आबादी वाले सीमाद्वार आईटीबीपी केंद्रीय विद्यालय आवास विकास कालौनी इंद्रानगर व शास्त्रीनगर खाले के बीचों बीच मकानों के बीच जल निगम द्वारा स्थानीय जनता के विरोध के बावजूद बना दिया गया।

सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि वर्ष 2012-13 में इस एसटीपी प्लांट को यह कह कर की यह केवल इंद्रानगर आवास विकास कालौनी के लिए है जल संस्थान को हैंडओवर कर चालू कर दिया गया। उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि पहले दिन से ही प्लांटके चलने से भयंकर शोर व बदबू फैल गयी जिसके कारण आस पास के लोगों का जीना दूभर हो गया और अब इस प्लांट के विस्तारीकरण के लिए आठ करोड़ रुपये जल निगम को स्वीकृत किये गए हैं जिससे सीवर स्टोरेज बनाया जाना प्रस्तावित है जिससे स्थितियां बद से बदतर हो जाएंगी। धस्माना ने जिलाधिकारी से मांग की है कि वे तत्काल जल निगम जल संस्थान व जिला प्रशासन के किसी वरिष्ठ अधिकारी की समिति बना कर मौका मुआयना करवाएं और तत्पश्चात इस कार्य को रुकवाए

जिस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि वे किसी वरिष्ठ अधिकारी के साथ जल निगम व जल संस्थान के अधिकारियों को भेज कर स्थलीय निरीक्षण करवाएंगी। धस्माना ने कहा कि जनता किसी भी कीमत पर सीवर स्टोरेज नहीं चाहती और अगर जबरन सीवर स्टोरेज प्लांट का निर्माण किया गया तो उसके विरुद्ध जनता आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

धस्माना के साथ डीएस पटवाल, राम कुमार थपलियाल, आचार्य संतोष खंडूरी, विजय ढोंडियाल, एन के वर्मा,सुमन जखमोला, विकसित गोयल, गीता बागड़ी, गौरा बिष्ट, मंजू चौहान, मीनाक्षी जखमोला, वी के डबराल, आशुतोष व बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

संपादकीय

विलुप्त होती गाय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकर संक्रांति के दिन अपने निवास पर गायों का पूजन किया। जब आंध्रप्रदेश की पुंगनूर नस्ल की इन गायों को चारा खिलाते मोदी की खूबसूरत तस्वीरें मीडिया में आईं तो आम जनमानस ने उन्हें देर तक निहारा। इन तस्वीरों को देखकर गो-भक्त मंत्रमुग्ध हो गए। हिंदू संस्कृति में प्रत्येक शुभ दिन गो-पूजा करने का विधान है। हिंदू सभ्यता एवं संस्कृति में आस्था रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भांति मोदी में गाय के प्रति आदर भाव स्वाभाविक तौर पर है। मकर संक्रांति पर मोदी ने जिस आदर भाव को व्यक्त किया है, वह गायों के संरक्षण एवं संवद्र्धन के लिए जन-जन की प्रेरणा का स्रोत बनेगा, यह आशा की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी देश के ऐसे नेता हैं, जिनका अनुसरण उनके करोड़ों समर्थक करते हैं। मोदी जो कहते हैं, जो करते हैं, वह उनके समर्थकों के लिए अनुकरणीय हो जाता है। संदेश देने की मोदी की अपनी खास शैली है। वह उचित अवसर पर कुछ ऐसा कर देते हैं जिससे आम जनमानस प्रभावित होता है। मोदी की कार्यशैली देश के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। यही वजह है कि मोदी की बदौलत विभिन्न जन जागरण और सामाजिक बदलाव के कार्य सहजता से सफल हो जाते हैं। स्वच्छ भारत, फिट इंडिया, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण और जल संचय, वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत, सुगम्य भारत और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं। ये सब देश को प्रगति के पथ पर ले जाने वाले और सामाजिक परिवर्तन के कार्यक्रम हैं। अब ताजा उदाहरण संक्रांति पर गायों की पूजा का है। सवाल उठता है कि संक्रांति पर पूजन के लिए मोदी ने आंध्रप्रदेश की पुंगनूर नस्ल की इन छोटे कद की गायों को ही क्यों चुना? क्या इसके पीछे मोदी की कोई संदेश देने की भावना निहित है? जी हां, बिल्कुल ऐसा ही है। मोदी ने इन गायों के पूजन के जरिए हर भारतीय को गो सेवा का संदेश दिया है। पुंगनूर गायों को इसलिए चुना गया है क्योंकि अत्यधिक पौष्टिक और औषधीय महत्व का दूध देने वाली ये गाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं और इस नस्ल को बचाने के लिए आंध्रप्रदेश में प्रयास किए जा रहे हैं। जाहिर है, मोदी ने न केवल विलुप्त हो रही इन गायों को बचाने की आवश्यकता प्रतिपादित की है, बल्कि इसके साथ-साथ सभी नस्लों की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी जोर दिया है। मोदी के गो संरक्षण के इस संदेश के पीछे ग्रामीण भारत को आगे ले जाने की भावना निहित है। भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गाय के बिना ग्रामीण भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती। भारतीय सनातन संस्कृति में गाय का अत्यंत महत्व है। गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं के वास की धार्मिक मान्यता है। धार्मिक मान्यताओं में गाय को पाप हरने वाली और वातावरण को सकारात्मकता से भर देने वाली बताया गया है। हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है। विलुप्त हो रही गायों के संरक्षण के लिए समाज को आगे आना होगा।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

दलितों की शादी में पहरेदारी करेगी पुलिस, आखिर क्यों जारी हुआ ऐसा ऑर्डर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 जनवरी : मलमास खत्म हो गया है. इसके साथ ही देशभर में शादी ब्याह का सिलसिला शुरू हो गया है. शादियों का सीजन शुरू होते ही राजस्थान पुलिस ने एक खास ऑर्डर जारी किया है. राजस्थान पुलिस को ऑर्डर दिया गया है कि वो पता करे कि प्रदेश में कहां कहां दलितों की शादी हो रही है? इन शादियों की पहरेदारी करने की जिम्मेदारी पुलिस को दी गई है। दलितों की शादी पर पुलिस को खास वजह से नज़र रखने का ऑर्डर दिया गया है. दरअसल पिछले दस साल में राजस्थान के अलग अलग जगहों से दलित दूल्हों को घोड़ी से उतारने के 138 मामले सामने आ चुके हैं. शादी में जब कोई दलित दूल्हा घोड़ी चढ़ता है तो ऊंची जाति के लोग उन्हें घोड़ी से उतार देते हैं. इस घटना का दोहराव इस बार ना हो, इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने ऑर्डर जारी किया है।

राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस अधिकारियों को आदेश दिया है कि वो पता करें कि इस खरमास के बाद कितने दलित परिवार के घर शादियां हो रही है? इसके साथ ही कांस्टेबल क्षेत्र के पंच, सरपंच, पार्षद, पुलिस मित्र से बातचीत कर इन शादियों पर खास नजर रखे. शादी में ये ध्यान रखा जाए कि किसी दूल्हे को दलित होने की वजह से घोड़ी से ना उतारा जाए। ऑर्डर में कहा गया है कि अगर किसी जगह पर दलित दूल्हे को घोड़ी से उतारे जाने का मामला सामने आएगा तो वहां तुरंत एक्शन लिया जाएगा. तुरंत दोषियों के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा और उसपर कार्यवाई की जाएगी. बता दें कि पिछले दस साल में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं. अब खरमास खत्म होने के बाद पुलिस मुख्यालय ने इसपर सख्ती बरतते हुए पहले ही पुलिस को दलितों की शादी में निगरानी की जिम्मेदारी दे दी है.

बुजुर्ग महिला से हुई लूट का दून पुलिस ने किया खुलासा

■ **घटना में लूटे गये कुण्डल के साथ 01 शातिर अभियुक्त कर भेजा सलाखों के पीछे**

बुजुर्गों एवं महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के विरुद्ध दून पुलिस संवेदनशील है, इस प्रकार के अपराध कारित करने वाले किसी भी अभियुक्त को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा : एसएसपी देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 जनवरी : जसराम जोशी पुत्र चन्डी प्रसाद निवासी ग्राम सिमड़ी, पो0ओ0 कन्दूली, बीरोंखाल, जिला- पौड़ी गढ़वाल हाल निवासी- दिल्ली ने थाना डालनवाला पर लिखित तहरीर बाबत शहर के एक वैडिंग प्वाइंट में शादी समारोह के दौरान अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी बुजुर्ग माताजी के कमरे में जाकर उनका एक कुण्डल लूट कर भाग जाने के संबंध में दी। जिस पर तत्काल थाना डालनवाला पर मु0अ0सं0:1 1/2024, धारा-392 भादवि पंजीकृत कराया ।

घटना की गंभीरता देखते हुए घटना के अनावरण एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निर्गत आदेशो के क्रम में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल व उसके आस-पास लगे लगभग 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का गहनता से अवलोकन कर घटना में संलिप्त संदिग्ध का हुलिया प्राप्त किया गया। इसके साथ-साथ पुलिस टीम द्वारा पूर्व में इस प्रकार के अभियोगों में जेल गये अभियुक्तों की वर्तमान स्थिति के विषय में जानकारी करते हुए मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया।

पुलिस टीम द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप मुखबिर खास की सूचना पर घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त मनीष नेगी पुत्र मनवीर सिंह नेगी निवासी- म0नं0-14 ओल्ड नेहरू कॉलोनी निकट गोल चक्कर, थाना नेहरू कालोनी,

जनपद देहरादून उम्र-35 वर्ष को बलबीर रोड पुल के पास से गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त की तलाशी लेने पर उसके पास से बुजुर्ग महिला से लूटा हुआ कुण्डल भी बरामद हुआ। अभियुक्त को समय से मा० न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

विवरण गिरफ्तार अभियुक्तः

मनीष नेगी पुत्र मनवीर सिंह नेगी निवासी- म0नं0 14 ओल्ड नेहरू कॉलोनी निकट गोल चक्कर, थाना नेहरू कॉलोनी, जनपद देहरादून उम्र 35 वर्ष

उत्तराखंड : मौसम ने ली करवट चारधाम समेत कई जगहों पर बर्फबारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 19 जनवरी : उत्तराखंड में मौसम ने करवट बदल ली है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री के अलावा औली एवं हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हुई। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी से लोगों ने राहत की सांस ली है। कारोबारियों को लंबे समय से बर्फबारी का इंतजार था।

बर्फबारी से निचले क्षेत्रों में कड़ाके की शीतलहर चल रही है। रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ जनपदों के निचले क्षेत्रों में कहीं-कहीं आंशिक रूप से बादल छाये रहे और अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। देहरादून में दिनभर चटख धूप खिली रही। हरिद्वार, उधम सिंह नगर में दोपहर तक घने कोहरे ने परेशानी बढ़ाई।

प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं सुबह से ही गहरे बादल छाये हुए थे। हालांकि निचले इलाकों में धूप खिली रही। दोपहर बाद चारधाम के साथ-साथ पर्यटक स्थल औली और हेमकुंड साहिब में बर्फबारी शुरू हो गई। पौड़ी जनपद के कुछ क्षेत्रों में देर शाम को घने बादल छाये रहे।

वहीं देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 22.2 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा। उधम सिंह नगर का अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री कम 11.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 9.7 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस रहा। टिहरी का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 14.2 व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 3.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पहाड़ में खिल रही धूप, मैदान में सता रही कोहरे की ठंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 19 जनवरी : बिन बारिश और बर्फबारी के मौसम अपने तेवर दिखा रहा है। सर्दियों के मौसम में जहां पहाड़ों में धूप खिल रही हैं वहीं मैदानी इलाकों में कोहरा छाने से ठंड सता रही है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो अभी फिलहाल तीन-चार दिन बारिश के आसार नहीं हैं।मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार मैदानी इलाकों में कोहरा छाया रहेगा, जबकि पर्वतीय जिलों में मौसम शुष्क रहेगा।

केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने कहा, सर्दियों में बारिश न होने की वजह से सूखी ठंड परेशान कर रही है। अगले तीन-चार दिन भी प्रदेश भर में मौसम कुछ ऐसा ही रहेगा। जनवरी के चौथे सप्ताह से मौसम बदलने के आसार हैं।देहरादून एयरपोर्ट सहित देश के तमाम दूसरे शहरों में कोहरे के कारण उड़ानों पर बुरा असर पड़ रहा है। दिल्ली एयरपोर्ट सहित देश के कई दूसरे बड़े एयरपोर्ट पर एडवाइजरी जारी कर यात्रियों की मदद के लिए वॉर रूम भी स्थापित किए गए हैं। देहरादून एयरपोर्ट पर भी हवाई यात्रियों की मदद के लिए पांच सदस्यीय संयुक्त कमेटी का गठन किया गया है, जो एयरपोर्ट निदेशक के दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य करेगी।यात्रियों की सुविधा के लिए देहरादून एयरपोर्ट पर कमेटी का गठन किया गया है। पांच सदस्यीय कमेटी में विमानन कंपनी इंडिगो, विस्तारा, एटीसी, सीआईएसएफ ओर एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों को शामिल किया गया है, जो देहरादून एयरपोर्ट निदेशक की निगरानी में कार्य करेगी। देहरादून एयरपोर्ट पर फ्लाइट विलंब, डायवर्ट या कैंसिल होने पर यह कमेटी हवाई यात्रियों की मदद करेगी।

शिक्षा विभाग ने 50 हजार छात्राओं को दी साइकिल की सौगात

■ बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत 14 करोड़ जारी
■ डीबीटी के माध्यम से प्रत्येक छात्रा को मिलेगी 2850 की धनराशि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 जनवरी ,विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा नौ की करीब 50 हजार छात्राओं को मुफ्त साइकिल दी जायेगी। जिसके लिये शिक्षा निदेशालय ने 'बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना' के तहत सभी 13 जिलों को 14 करोड से अधिक्र की धनराशि जारी कर दी है। इस योजना के तहत प्रत्येक छात्रा के खाते में डीबीटी के माध्यम से साइकिल क्रय हेतु रूपये 2850 दिये जायेंगे।

सूबे में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के दृष्टिगत राज्य सरकार ने बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना शुरू की है, जिसके तहत प्रदेशभर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कक्षा नौ में प्रवेश लेने वाली सभी छात्राओं को मुफ्त साइकिल योजना का लाभ दिया जा रहा है।

जिसके अंतर्गत प्रत्येक छात्रा के खाते में साइकिल क्रय हेतु रूपये 2850 की धनराशि संबंधित जनपद के मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय से डीबीटी के माध्यम से जमा कराई जायेगी। इस योजना की खास बात यह है कि मैदानी क्षेत्रों के विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा नौ की सभी छात्राओं को अनिवार्य रूप से साइकिल क्रय करनी होगी जबकि पर्वतीय क्षेत्रों की बालिकाओं को मुफ्त साइकिल क्रय करने अथवा किसी अधिकृत बैंक व डाकघर में चार वर्षीय एफडी जमा करने का विकल्प दिया गया है। जिस योजना का लाभ प्रदेश की करीब 50 हजार छात्राओं को मिलेगा जिस हेतु शिक्षा विभाग ने 14 करोड़ से अधिक की धनराशि जारी कर दी है। जिसमें जनपद अल्मोड़ा में 3492 बालिकाओं हेतु एक करोड़, बागेश्वर में 1595 हेतु 45 लाख, चमोली 2533 हेतु 72 लाख, चम्पावत 1677 के लिये 47 लाख, देहरादून 5615 हेतु 1 करोड़ 60 लाख, पौड़ी 3284 हेतु 94 लाख, हरिद्वार 7075 बालिकाओं हेतु 2 करोड़, नैनीताल 5021हेतु एक करोड़ 43 लाख, पिथौरागढ़ 2635 के लिये 75 लाख, रूद्रप्रयाग 1736 बालिकाओं के लिये 50 लाख, टिहरी 3780 हेतु एक करोड़ आठ लाख, उत्तरकाशी 2258 छात्राओं हेतु 64 लाख तथा ऊधमसिंह नगर 8429 छात्राओं के लिये 2 करोड़ 40 लाख की धनराशि आवंटित की गई है। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये संबंधित जनपद के मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, वित्त अधिकारी एवं जनपद के वरिष्ठतम प्रधानाचार्य की चार सदस्यीय समिति गठित की गई है, जो रैण्डम रूप से ब्लॉक स्तर पर 20 प्रतिशत लाभार्थियों का भौतिक सत्यापन करेगी इसके अलावा समिति को मैदानी जनपदों में साइकिल क्रय व पर्वतीय जनपदों में एफडी का भौतिक सत्यापन कर निर्धारित प्रारूप पर रिपोर्ट निदेशालय को भेजनी होगी।

राज्य में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिये सरकार ने शासकीय व अशासकीय विद्यालायों में अध्ययनरत कक्षा नौ की छात्रों को मुफ्त साइकिल देने का निर्णय लिया है। जिसका लाभ प्रदेशभर की 50 हजार छात्राओं को मिलेगा। जिस हेतु विभाग द्वारा 14 करोड़ से अधिक की धनराशि जनपदों को आवंटित कर दी गई है।

- डॉ. धन सिंह रावत, विद्यालयी शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड सरकार

स्वास्थ्य सेवाओं के प्रचार-प्रचार और मजबूती के लिए करूंगा कार्य : डॉ कुलदीप मार्तोलिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 , जनवरी उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अधिकारी पद पर हुई डॉ कुलदीप मार्तोलिया की नियुक्ति की गई है। उन्होंने आज अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। डॉ कुलदीप मार्तोलिया से पहले आईईसी अधिकारी का कार्य डॉ मंयक बडोला देख रहे थे। डॉ मंयक बडोला 02 वर्ष के लिए बतौर सीएमओ (CMO) प्रतिनियुक्ति पर मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में चले गये हैं। उनके कार्यकाल में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) ने स्वास्थ्य जन जागरूकता से जुड़े कई अहम कार्य किये।

स्वास्थ्य विभाग में सूचना, शिक्षा और संचार अधिकारी बने डॉ कुलदीप मार्तोलिया

डॉ कुलदीप मार्तोलिया ने सूचना, शिक्षा , संचार (आईईसी) अधिकारी के पद पर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार के सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों

की जानकारी राज्य के षहर से लेकर सीमांत इलाकों तक पहुंचे इसको लेकर वह और उनकी पूरी टीम कार्य करेगी। वर्तमान में केन्द्र व राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रहे हैं। आम जनमानस को उनके नजदीकी अस्पताल में बेहत्तर ईलाज मिल रहा है। आयुस्मान योजना हर व्यक्ति के लिए वरदान साबित हो रही है। उनका प्रयास रहेगा कि हर व्यक्ति को स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए।

डॉ कुलदीप मर्तोलिया ने कहा सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने पर कार्य किया जाएगा। इसके साथ नवीन मीडिया के टूल्स खासतौर से सोशल मीडिया का स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए भरपूर इस्तेमाल किया जाएगा। सोशल मीडिया ऑनलाइन सोशल नेटवर्किंग साइटों जैसे ट्विटर, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और ब्लॉग। यह एक नया और हमेशा बदलता रहने वाला क्षेत्र है। इंटरनेट, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और मोबाइल संचार तक पहुंच सभी उपकरण हैं। जिनका उपयोग स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध और सुलभ बनाने के लिए किया जा सकता है।

आपको बता दें कि डॉ कुलदीप मार्तोलिया वर्तमान में स्वास्थ्य महानिदेशालय में सहायक निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही राज्य में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्रियान्वयन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी उनके उपर है। स्वास्थ्य महानिदेशालय में अधिकारियों-कर्मचारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी।

उत्तराखण्ड सदन में हुआ पुलिस बैरकों का उद्घाटन

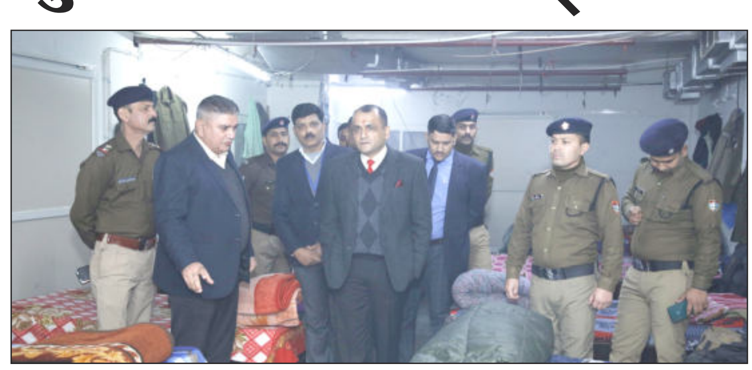

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली , 19 जनवरी , उत्तराखण्ड सदन के भूतल में माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशानिर्देशानुसार उत्तराखण्ड पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने पुलिस बैरक का उद्घाटन किया। उत्तराखण्ड सदन में पुलिसकर्मियों की सुविधा हेतु नवीनीकृत बैरक बनाए गए हैं। बैरक में तमाम आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं जिसमें पुलिसकर्मी ड्यूटी के बाद आराम कर पाएंगे। इन आधुनिक सुविधाजनक बैरक में ठहरने वाले पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी जिससे वे तनाव मुक्त रहेंगे। बैरक में रहने वाले पुलिसकर्मियों के लिए तमाम आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नवीनीकृत बैरक में कुल 4 कक्ष बनाए गए हैं। उद्घाटन के दौरान उत्तराखण्ड पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने पुलिसकर्मियों को भविष्य में हरसम्भव सहायता उपलब्ध करवाने का भी आश्वासन दिया। इस दौरान उत्तराखण्ड सदन के मुख्य सुरक्षा अधिकारी मनोज रावत सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।